ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

आमंत्रण पत्र

राष्ट्रीय जल सम्मेलन

(क्षिप्रा एवं भारत की अन्य नदियों के सन्दर्भ में)

दिनांक - 16-18 दिसम्बर 2019

मान्यवर,

आप सब अवगत है कि वर्तमान में भारत की अंधिकाश नदियां अपने न्यूनतम जल प्रवाह में बह रही है। नदियों के प्रवाह में लगातार आ रही कमी के कारण अंधिकाश नदियां मौसमी नदियों में परिवर्तित हो गयी है। साल भर बहने वाली नदियों में अब वर्षपर्यन्त जल का प्रवाह नहीं रहता, जिसके कारण नदी के किनारे का समाज व्यापक रूप से प्रभावित हो रहा है, जिसके कारण सूखा और जल संकट निरन्तर बढ रहा है। किसानी संकट में है, पेयजल का भी गम्भीर संकट होता जा रहा है, जलवायु परिवर्तन के कारण हालात दिन-प्रतिदिन खराब होते जा रहे है। क्षिप्रा जैसी पवित्र-पावनी नदी भी धीरे-धीरे अपने अस्तित्व को खोती जा रही है।

हम सभी जानते है कि जल जीवन के लिए मुख्य संसाधन है जो अन्य वस्तुओं की तरह बनाया नहीं जा सकता, यह पृथ्वी सभी जीवित प्राणियों के लिए प्रकृति का एक उपहार है। इस उपहार को सजोकर रखना हम सब की जिम्मेदारी है। भारत में 34 प्रमुख नदी घाटिया है। घरेलू, उद्यौगिक और कृषि के लिए बढती मांग के कारण, अंधिकाश नदी घाटियों पर पानी का दवाब है। बढती आबादी, बढती आर्थिक गतिविधियों और बढती मांग के कारण पहले से ही तनावग्रस्त जल संसाधनों पर दवाब बढाता जा रहा है। भूजल, हमारी कुल जल आपूर्ति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता हैं, जो हमारी लगभग 85 प्रतिशत ग्रामीण मांग, 50 प्रतिशत शहरी आवश्यकताओं और 84 प्रतिशत से अधिक सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करता है। बढते जल संकट के इस परिपेक्ष्य में दिनांक 16-18 दिसम्बर 2019 को झालरिया मठ, उज्जैन में राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देशभर के विशय-विषेशज्ञ, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रशासनिक अधिकारी भाग ले रहे है।

इस सम्मेलन में आप सादर आमंत्रित है, आपकी उपस्थिति क्षिप्रा सहित देश की अन्य नदियों के पुर्नजीवन के लिए किये जा रहे प्रयासों को सम्बल प्रदान करेगी।

अत: आपसे आग्रह है कि इस महत्वपूर्ण आयोजन में पधारने की कृपा करे।

कार्यक्रम विवरण

प्रथम दिवस, 16 दिसम्बर 2019

प्रात: 09:00 से 12:00 बजे	जल यात्रा उज्जैन नगर घंटाघर से झालरिया मठ, श्री बालमुकुंद आश्रम, नरसिंह घाट तक
12:00 से 01:30 बजे	उद्घाटन सत्र
02:30 से 6:00 बजे	क्षिप्रा नदी में जल संकट और उसके निपटने के उपायों पर विविध सत्रों का आयोजन
06:00 से 07:00 बजे	नदी पुर्नजीवन हेतु भारत में किये जा रहे विविध प्रयासों पर लघु फिल्मों का प्रदर्शन

द्वितीय दिवस, 17 दिसम्बर 2019

06:30 से 07:00 बजे	प्रार्थना
	समानांतर सत्र
10:00 से 01:00 बजे	नदी पुर्नजीवन, समाज और सरकार
	तालाबों का अस्तित्व एवं इनकी संस्कृति
	विलुप्त होते तालाब और इनका दुष्प्रभाव
	गंगा की अविरलता में चुनौतियां
02:00 से 05:00 बजे	प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण में समाज की भूमिका
	जल संरक्षण में महिलाओं का योगदान
	जलवायु परिवर्तन में युवाओं की भूमिका
	जैविक खेती एवं वर्तमान सन्दर्भ
	जल दक्षता में वृद्धि
07:00 से 08:30 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

कार्यक्रम विवरण

तृतीय दिवस, 18 दिसम्बर 2019

09:00 - 11:00 बजे	देश में किये जा रहे नदी पुर्नजीवन एवं जल संरक्षण के सफल प्रयासों का प्रस्तुतीकरण
11:00 से 01:00 बजे	**समापन सत्र** भविष्य की कार्ययोजना एवं जवाबदेहियों का निर्धारण, सम्मान समारोह, उज्जैन घोषणा पत्र का वाचन

संरक्षक मण्डल – ओमप्रकाश खत्री, सुरेन्द्र सिंह अरोरा, गोविन्द खंडेलवाल, यशवंत जैन, सुरेश मोड़, महेश कांनडी, दिवाकर नातू, राजहुजुर सिंह गौर, जवाहर जैन, कोमोडोर चमन जैन, अजय भार्गव

स्वागत समिति – डॉ. नलिनी लंगर, अतुल गार्गव, नितिन डफरिया, संजीव गुप्ता, रमेश तिवारी, सजेंद्र खरात, मुकेश जौहरी, डॉ. पी. पी. वशिष्ठ, डॉ. शुभा जैन, अवनीश गुप्ता, मिथलेश गर्ग, मीनू भार्गव, राजेंद्र गुरु, श्याम माहेश्वरी, राजेश माहेश्वरी, रवि वर्मा, सुधीन्द्र मोहन शर्मा, नवीन नाहर

स्वास्थ्य समिति – डॉ. विमल कुमार गर्ग, फादर एन्टोनी, डॉ. अनूप निगम, डॉ. केतन सिलवाडिया, डॉ. के. एस. देवडा, डॉ. आर. एन. वांचू

भोजन एवं जलपान समिति – प्रह्लाद वर्मा, पुरुषोत्तम टेलर, अशोक जैन, सरोज अग्रवाल

प्रिंटिंग समिति – शांति कुमार पोरवाल, स्वप्निल वाफना

परिवहन समिति – अशोक गर्ग, नन्द किशोर उपाध्याय, गुरुबकश सिंह अरोरा

व्यवस्था समिति – घिरिश पारिख, आर.सी. जैन, जगदीश पांचाल

सांस्कृतिक समिति – प्रकाश रघुवंशी, पद्मजा रघुवंशी, स्वाति तैलंग

पंजीयन समिति – पुष्पा खरात, आशा जौहरी, ममता रैना, उरुषा हाशमी, निर्मला शर्मा, किरन यादव, सुरेश शर्मा, प्रफुल्ल यादव

प्रवास समिति – अजय भार्गव, धीरेन्द्र रैना, शाहिद हाशमी

रैली आयोजन समिति – प्रकाश रघुवंशी, प्रह्लाद वर्मा, सुनील गुप्ता, जगदीश पांचाल, श्याम माहेश्वरी, सरोज अग्रवाल, विक्रम सूर्यवंशी, प्रफुल्ल अदलावदकर

निवेदक - जल बिरादरी, जल जन जोडो अभियान, रोटरी क्लब उज्जैन
संयोजक- रवि प्रकाश लंगर (पूर्व गवर्नर) रोटरी क्लब, उज्जैन (9131539040)

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

राष्ट्रीय जल सम्मेलन

(क्षिप्रा एवं भारत की अन्य नदियों के संदर्भ में)

16-18 दिसम्बर 2019

हम सभी जानते हैं, जल, जीवन के लिए मुख्य प्राकृतिक संसाधन है, जो अन्य वस्तुओं की तरह बनाया नहीं जा सकता है। यह पृथ्वी पर सभी जीवित प्राणियों के लिए प्रकृति का एक उपहार है। भारत दुनिया की आबादी के लगभग 18 प्रतिशत लोगों का घर है, लेकिन भारत के पास दुनिया के नवीनीकृत जल संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत है। भारत में 4,000 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) की औसत वार्षिक वर्षा होती है जो देश में ताजे पानी का मुख्य स्रोत है। यद्यपि, देश के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा में व्यापक भिन्नता है। इसी कारण भारत समय–समय पर बाढ़ और सूखे दोनों का सामना करता है। ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव वर्षा में अस्थायी और स्थानिक भिन्नता को बढ़ाता है, और पानी की उपलब्धता को प्रभावित करता है। जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान में, भारत के 365 जिले सूखे से प्रभावित हैं, जबकि इसी वर्ष 190 जिले बाढ से प्रभावित रहे है।

भारत में 34 प्रमुख नदी घाटियाँ हैं। घरेलू, औद्योगिक और कृषि उपयोगों की बढ़ती मांग के कारण, अधिकांश नदी घाटियों पर पानी का दबाव है। बढ़ती आबादी, बढ़ती आर्थिक गतिविधियों और बढ़ती मांग के कारण पहले से ही तनावग्रस्त जल संसाधनों पर दबाव बढ़ाता जा रहा है। भूजल, हमारी कुल जल आपूर्ति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो लगभग 85 प्रतिशत ग्रामीण मांग, 50 प्रतिशत शहरी आवश्यकताओं और 84 प्रतिशत से अधिक हमारी सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करता है।

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC

DST-FIST SUPPORTED

AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN

IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

कार्यक्रम विवरण

प्रथम दिवस, 16 दिसम्बर 2019

प्रातः 09:00 से 12:00 बजे	जल यात्रा उज्जैन नगर घंटाघर से झालरिया मठ, श्री बालमुकुंद आश्रम, नरसिंह घाट तक
12:00 से 01:30 बजे	उद्घाटन सत्र
01:30 से 02:30 बजे	भोजनावकाश
02:30 से 6:00 बजे	शिप्रा नदी में जल संकट और उससे निपटने के उपायों पर विविध सत्रों का आयोजन
06:00 से 07:00 बजे	नदी पुर्नजीवन हेतु भारत में किये जा रहे विविध प्रयासों पर लघु फिल्मों का प्रदर्शन
सायं 08:00 बजे	रात्रि भोजन

द्वितीय दिवस, 17 दिसम्बर 2019

06:30 से 07:00 बजे	प्रार्थना
10:00 से 01:00 बजे	**समानांतर सत्र**
	नदी पुर्नजीवन, समाज और सरकार
	तालाबों का अस्तित्व एवं इनकी संस्कृति
	विलुप्त होते तालाब और इनका दुष्प्रभाव
10:00 से 01:00 बजे	गंगा की अविरलता में चुनौतियां
01:00 से 02:00 बजे	भोजनावकाश
02:00 से 05:00 बजे	प्राकृतिक संसाधनो के संरक्षण में समाज की भूमिका
	जल संरक्षण में महिलाओं का योगदान
	जलवायु परिवर्तन में युवाओं की भूमिका
	यैविक खेती एवं वर्तमान सन्दर्भ
	जल दक्षता में वृद्धि
07:00 से 08:30 बजे	सांस्कृतिक कार्यक्रम
सायं 08:30 बजे	रात्रि भोजन

तृतीय दिवस, 18 दिसम्बर 2019

09:00 से 11:00 बजे	देश में किये जा रहे नदी पुर्नजीवन एवं जल संरक्षण के सफल प्रयासों का प्रस्तुतीकरण
11:00 से 01:00 बजे	**समापन सत्र** भविष्य की कार्ययोजना एवं जवाबदेहियों का निर्धारण, सम्मान समारोह, उज्जैन घोषणा पत्र का वाचन

आवश्यक सम्पर्क

निवास व्यवस्था - नितेश यादव (9005564421, 8299609137)

परिवहन व्यवस्था- नितेश यादव (9005564421, 8299609137)

भोजन व्यवस्था - [illegible] (9131536807), रोहित (9575176237)

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDW
AJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

जल सम्मेलन • 16 प्रदेशों के जल विशेषज्ञों को लगातार प्रदूषित हो

श्वेतपत्र जारी...नालों का गंदा पानी रोकें, हटाएं, पौधे रोपे तो फिर प्रवाहमान हो सक

11-12 जनवरी को सीएम को देंगे प्रस्ताव ताकि अमल हो

भास्कर संवाददाता | उज्जैन

शिप्रा को प्रवाहमान और प्रदूषण मुक्त करने के लिए राष्ट्रीय जल सम्मेलन में देश के जाने-माने जल संरक्षण विशेषज्ञों से भास्कर ने पांच उपाय पूछे। इन्हें अपनाने से शिप्रा को फिर से स्वच्छ बनाया जा सकता है। इन उपायों को सम्मेलन के श्वेतपत्र में शामिल किया है। 11-12 जनवरी 2020 को भोपाल में सीएम कमलनाथ को श्वेतपत्र प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि कार्य योजना बनाएं।

शिप्रा किनारे रामघाट के समीप स्थित झालरिया मठ में राष्ट्रीय जल सम्मेलन के दूसरे दिन में देशभर से आए नदी पुनर्जीवन के विशेषज्ञों ने शिप्रा को प्रवाहमान व प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए श्वेत पत्र जारी किया। सम्मेलन के प्रारम्भ में देश के विभिन्न राज्यों के पर्यावरणविदों ने अपने विचार रखे। शाम को जलपुरुष राजेंद्र सिंह और जल-जन जोड़ो अभियान के संजय सिंह के साथ दत्त अखाड़ा घाट पर शिप्रा संरक्षण का संकल्प लेने के लिए ये कार्यकर्ता रैली के रूप में पहुंचे।

सम्मेलन का श्वेत पत्र: समस्या- अनियमित वर्षा, कान्ह से औद्योगिक प्रदूषण, शहरी नालों का प्रदूषण, कटाव, अवैध खनन। निदान- समुदाय स्तर पर सुरक्षा समिति, तकनीकी स्तर पर योजना, शासन-प्रशासन स्तर पर कार्रवाई।

जल बिरादरी का गठन: सम्मेलन में जल बिरादरी के गठन की जिम्मेदारी डॉ. सुधीर मोहन शर्मा, डॉ. अर्पण भारद्वाज, डॉ. पुरुषोत्तम वशिष्ठ, डॉ. विनय टेलर व गोविंद खंडेलवाल को दी।

शिप्रा बचाने का संकल्प

रामघाट की रपट पर जलयोद्धाओं ने शिप्रा को बचाने के लिए रैली निकालकर संकल्प लिया।

ये पांच उपाय जरूरी, जिससे शिप्रा को फिर से नया जीवन मिल सकता है

1. गंदे नालों से नदी प्रदूषित और समाप्त हो रही

स्थिति- [illegible] पानी शिप्रा में मिल रहा है। कान्ह का पानी भी शिप्रा नदी को प्रदूषित कर रहा। उपाय- शिप्रा में मिलने वाले नालों को रोकें। नालों को डायवर्ट करें या इनपर ट्रीटमेंट प्लांट लगा कर साफ किया पानी नदी में छोड़ें।

2. [illegible]

स्थिति- [illegible] उद्योगों का दूषित पानी [illegible] और नालों से शिप्रा में मिल रहा है। [illegible] उपाय- [illegible] किसी भी तरह के केमिकल युक्त पानी को नदी में नहीं मिलने दें। ऐसे उद्योगों पर सख्ती से कार्रवाई करें।

3. शिप्रा किनारे पौधारोपण [illegible]

स्थिति- शिप्रा के [illegible] क्षेत्र में पेड़ों की कमी, [illegible] बारिश के बाद शिप्रा में पानी आना बंद हो गया। उपाय- नदी के कैचमेंट क्षेत्र में [illegible] पौधारोपण करें। [illegible]

4. अतिक्रमण बढ़े, किनारे पर कॉलोनियां

स्थिति- किनारों पर अतिक्रमण, कॉलोनियां बनने से नदी में प्रदूषण बढ़ रहा। ग्रीन बेल्ट समाप्त हो गया। उपाय- नदी के किनारे पर ग्रीन बेल्ट की जमीन खाली करवाकर पौधारोपण करना चाहिए। इससे नदी में पानी की आवक होगी, कटाव रुकेगा।

5. [illegible] नहीं है

स्थिति- शिप्रा को प्रदूषण से बचाने और [illegible] उपाय- [illegible]

भास्कर एक्सपर्ट टीम- जल-जन जोड़ो संयोजक [illegible]

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

उज्जैन सिटी

02

एक दिन में नहीं होगी शिप्रा शुद्ध... सरकार, समाज मिलकर करें का

राष्ट्रीय शालेय फील्ड आर्चरी

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ब 10 गांवों में आई जलसमृद्धि

जल पुरुष राजेंद्र सिंह और प्रभारी मंत्री सजन वर्मा सम्मेलन में बोले

मोदी ने गंगा मां से झूठ बोला तो ठोकर लगी

शिप्रा को प्रवाहमान और प्रदूषण मुक्त करने की कार्ययोजना बनाने के लिए आयोजित राष्ट्रीय जल सम्मेलन का सोमवार को जल पुरुष राजेंद्रसिंह और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। जल पुरुष राजेंद्रसिंह ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। उन्होंने कहा मोदीजी अब कह रहे हैं गंगा को कमाई का जरिया बनाएंगे। जब वे चुनाव लड़ने आए थे तो गंगा को मां कह रहे थे। अब गंगा से कमाई की बात कह रहे हैं। हमारा कहना है- गंगा को मां नहीं कहने की हिम्मत दिखाओ। बोलो गंगा हमारी मां नहीं है। प्रभारी मंत्री वर्मा ने भी अपने उद्बोधन में सिंह की इस बात को आगे बढ़ाया। वे बोले- जब भी कोई अपनी मां से झूठ बोलता है तो उसे ठोकर जरूर लगती है। प्रधानमंत्री ने गंगा मां के सामने झूठ बोला तो ठोकर खानी पड़ी। कानपुर की ठोकर से शायद हमारे ये ठाकुर संभल जाए तो अच्छा है।

देरी से पहुंचे प्रभारी मंत्री वर्मा ने कहा हमने आज ही इंदौर और उज्जैन के अफसरों की बैठक लेकर शिप्रा को साफ और प्रवाहमान बनाने की योजना बनाने को कहा है। हम शिप्रा को साफ देखना चाहते हैं। इसके लिए जितना पैसा लगेगा, सरकार देगी। चाहे इसके लिए अन्य विभागों का बजट कम करना पड़े।

दैनिक भास्कर के प्रयास की सराहना

सम्मेलन में दैनिक भास्कर के अभियान में शिप्रा किनारे सवा लाख पौधे लगाने का जिक्र भी आया। सम्मेलन के सूत्रधार रविप्रकाश लंगर ने बताया शिप्रा को प्रवाहमान करने के लिए भास्कर ने पौधारोपण अभियान चलाया था। सप्त सागर को पुनर्जीवित करने के लिए भी भास्कर ने मुहिम शुरू की है। सम्मेलन की एलईडी स्क्रीन पर दैनिक भास्कर की खबरों का प्रदर्शन भी किया गया।

कुलपति बोले- शिप्रा को गंदा करना अपराध

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति बालकृष्ण शर्मा ने कहा शास्त्रों में जितने अपराधों का जिक्र है, उनमें एक बुद्धिपूर्वक किए अपराध का भी जिक्र है। शिप्रा को गंदा करना इसी अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा नदी का अर्थ होता है जिसमें नाद यानी आवाज सुनाई दे। आज किसी भी नदी की आवाज सुनाई नहीं देती। तीर्थ वहां होते थे, जहां सबसे साफ पानी रहता था। आज हम तीर्थ के जल को साफ करने की बात कर रहे हैं। इन हालातों का जिम्मेदार कौन है। सृष्टि के जन्म, पालन और विलय तीनों ही में जल की जरूरत है। यह सम्मेलन शिप्रा के लिए सार्थक पहल लेकर आएगा। इस कार्यक्रम में जल विशेषज्ञ संजय सिंह, माधव साइंस कॉलेज के डॉ. अर्पण भारद्वाज ने भी संबोधित किया। सम्मेलन शुरू होने के पहले सुबह क्षीरसागर मैदान से रैली निकाली गई। रैली में स्कूली बच्चे, एनसीसी, एनएनएस के बच्चे, समाजसेवी व सम्मेलन में आए लोग शामिल हुए।

Signature Not Verified

ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC

DST-FIST SUPPORTED

AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN

IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

Student list of college Student

Participant List

Place - Jhalriya Math, Ujjain

Sl. No.	Name	Place	E mail	Mobile	Signature 16 Dec.	Signature 17 Dec.	Signature 18 Dec.
243	dipanshu parmar	kaytha		8602505030	dipanshu	dipanshu	dipanshu
244	Kamal Prajapat	Lakhanda	Prajapatkamal5826@gmail.com	8120398143	kamal	kamal	kamal
245	Ravi Mishra	Ujjain	rm9867746@gmail.com	8817203370	Ravi	Ravi	Ravi
246	Jeevan Damor	Lalgate, Ujjain	jeevansinghdamor@gmail.com	7024833028	[illegible]	[illegible]	[illegible]
247	Deepak Damor	Jawaharnagar Nanakheda		7223059059	Deepak	Deepak	Deepak
248	Dinesh muniya	ujjain	dineshmuniya19@gmail.com	8269944902	muniya	muniya	muniya
249	kantu Rasul Bhuriya	ujjain	kantubhuriya9685@gmail.com	09685192608	kantu	kantu	kantu
250	Rajesh Dundod	Ujjain	rajeshdundod@gma	7024540507	Rajesh	Rajesh	Rajesh
251	Rajesh Vadkhadya	Ujjain	rajeshvadkhadya@gmail.com	8269283072	Rajesh	Rajesh	Rajesh

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

Date - 16-18 December 2019

Place - Jhalriya Math, Ujjain

Participant List

Sl. No.	Name	Place	E mail	Mobile	Signature 16 Dec.	Signature 17 Dec.	Signature 18 Dec.
180	Kamlesh Rathi	UJJAIN		7224945251	[signature]	[signature]	[signature]
181	Agnibhanu Bhuriya	UJJAIN	agnibhanu0734@gmail.com	7067542220	[signature]	[signature]	[signature]
182	Deepak Damar	UJJAIN		6260021586	[signature]	[signature]	[signature]
183	Dinesh tailar	UJJAIN		9179757757	[signature]	[signature]	[signature]
184	kamlesh Alawa	ujjain	[illegible]	9589738496	[signature]	[signature]	[signature]
185	Abhishek RAwAt	Ujjain	[illegible]@gmail.com	9977101065	[signature]	[signature]	[signature]
186	SatisH RAwAt	Ujjain		7610553637	[signature]	[signature]	[signature]
187	Jagrati Badgoti	ujjain		9039724774	[signature]	[signature]	[signature]
188	Tevarsing	Ujjain		7879890822	[signature]	[signature]	[signature]

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

ज्ञानं परमं बलम्

GOVT. MADHAV SCIENCE COLLEGE, UJJAIN

A GRADE ACCREDITED THROUGH NAAC
DST-FIST SUPPORTED
AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSTY UJJAIN
IN FRONT OF POLYTECHNIC COLLEGE DEWAS ROAD, UJJAIN

December 2019 … Water Convention

Participant List

Place - Jhalriya Math, Ujjain

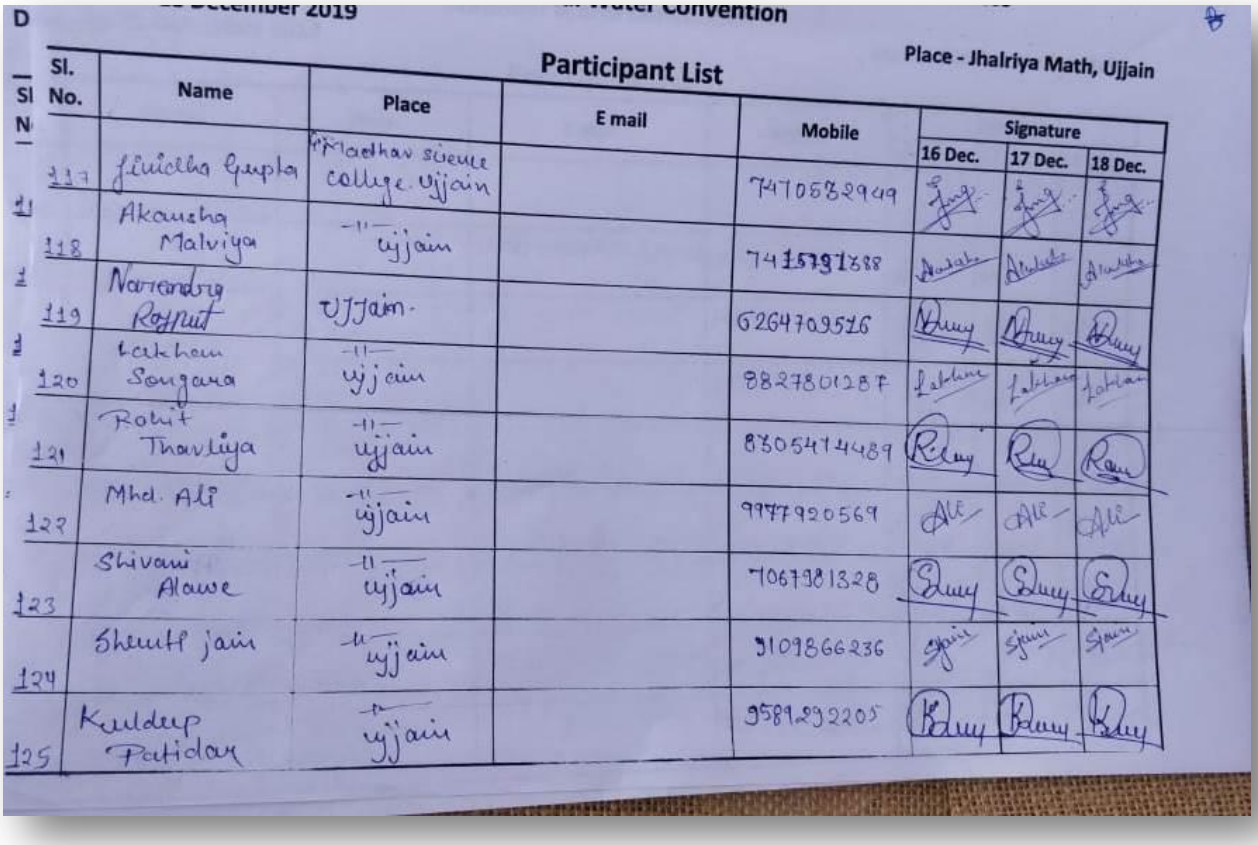

Sl. No.	Name	Place	E mail	Mobile	Signature		
					16 Dec.	17 Dec.	18 Dec.
117	Jinidha Gupta	Madhav science college Ujjain		7470582949	[signature]	[signature]	[signature]
118	Akansha Malviya	-"- Ujjain		7415791388	[signature]	[signature]	[signature]
119	Narendra Rajput	Ujjain.		6264709516	[signature]	[signature]	[signature]
120	Lakhan Songara	-"- Ujjain		8827801287	[signature]	[signature]	[signature]
121	Rohit Thanliya	-"- Ujjain		8305474489	[signature]	[signature]	[signature]
122	Mhd. Ali	-"- Ujjain		9977920569	[signature]	[signature]	[signature]
123	Shivani Alawe	-"- Ujjain		7067981328	[signature]	[signature]	[signature]
124	Shruti jain	-"- Ujjain		9109866236	[signature]	[signature]	[signature]
125	Kuldeep Patidar	-"- Ujjain		9589292205	[signature]	[signature]	[signature]

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,

Signature Not Verified
ARPAN BHARDWAJ
E=ARPANBHARDWAJ11@GMAIL.COM,